

एडले) PĀṆĒAR. 2, 5, 18. 3, 15, 27. भुङ्क्तेर्भूतन्तो ऽत्र सः । अवेष्टात् KATHĀS. 73, 164. गोमत्तं वेष्टयामासुः सागराः पृथिवीमिव HARIV. 5508. एवमेषा पुरी तिप्रं समत्तावेष्टिता बलिः 3023. KĀM. NĪTIS. 19, 15. RAGH. 11, 52. KATHĀS. 29, 117. 49, 68. fg. RĀGĀ-TAR. 8, 517. 915 (अवेष्टात् zu lesen). 1106 (वेष्टिता द्विषां zu lesen). BHĪG. P. 10, 52, 5. BHĀṬṬ. 15, 61. 80. राजकुंसः कुक्कुटेनागत्य वेष्टितः so v. a. der Hahn versperrte ihm den Weg HIT. 106, 17. तमसा बहुत्रयेण वेष्टिताः umhüllt, eingehüllt in M. 1, 49. पुण्येन पापेन च वेष्टयमानः umgeben —, begleitet von Spr. (II) 383. मायया वा एतत्सर्वं वेष्टितं भवति Nṛs. TĀP. UP. in Ind. St. 9, 109. ज्ञानं संमोक्षवेष्टितम् PĀṆĒAR. 1, 15, 15. चित्तावेष्टिता LĀ. (III) ad 19, 15. पत्निषी पत्त-तुल्याभ्यामकोभ्यां वेष्टिता निशा eine Nacht mit den beiden angrenzenden Tagen H. 144. — 2) umwinden, umwickeln, umbinden, umlegen: उज्जीषं वेष्टयामास मूर्धनि MBH. 7, 2921. वेष्टितकर् (कर् Rüssel) 1, 1366. वेष्टितश्मश्रु RĀGĀ-TAR. 5, 206. — 3) winden (einen Strick): तृणवेष्टिता रज्जुः (vgl. u. घ्रा) KATHĀS. 65, 19. — 4) zusammenschrumpfen machen: यदा चर्मवदाकाशं वेष्टयिष्यति मानवाः CṚTĀCY. UP. 6, 20. — 5) वेष्टित a) adj. s. u. 1), 2) und 3). — b) n. a) = लासक H. an. MED. — β) quidam coeundi modus diess. — 6) वेष्टयते MBH. 12, 6867 fehlerhaft für चेष्टयते, wie die ed. Bomb. liest; वेष्टितौ R. 4, 8, 44 fehlerhaft für विष्टितौ, wie die ed. Bomb. (4, 9, 11) liest. — Vgl. लतावेष्टित.

— अणु hangen bleiben: यज्ञो यदमृतं तस्योत्सवमन्वेष्टत KĀTH. 12, 4. — caus. 1) überziehen, umwinden, überdecken: लताभिरनुवेष्टितः MBH. 12, 9118. R. 5, 16, 37. 17, 3. — 2) überdecken, auflegen, ausbreiten: भित्त्यादिकमननुवेष्टा (भित्ति Matte) उपविष्ट आसीत् KULL. zu M. 11, 110. — अप caus. abstreifen PĀṆĒAR. Br. 13, 5, 22. — अग्नि caus. bedecken, zudecken: (वस्त्रैः) तेस्ते तान्यभ्यवेष्टयन् । चर्मणि KATHĀS. 62, 198. अग्निवेष्टयेतदनु कुम्भमुखं नवनिर्मलांशुकुण्डगेन PĀṆĒAR. 3, 7, 23.

— घ्रा sich ausbreiten über (loc.): फेनस्तप्यते यदप्स्वावेष्टयमानः प्लवते so v. a. das Wasser überziehend CĀT. Br. 6, 1, 2, 3. — caus. 1) umhüllen, umgeben, bekleiden, bedecken: उत्सवेनाविष्टितः RV. 10, 51, 1. उज्जीषेण TS. 3, 4, 1, 4. आविष्टिता चर्मणा AV. 5, 18, 3. 28, 1. उज्जीषेणावेष्टा CĀT. Br. 4, 5, 2, 7. KĀTH. 13, 10. वैश्यं लोकितदर्भैः तत्रिषं शरपक्षैर्वावेष्टा VASISHTHA bei KULL. zu M. 8, 377. SUÇA. 1, 358, 18. 359, 2. 2, 365, 6. मूलान्यावेष्टितानि R. Goar. 2, 108, 8. — 2) winden (einen Strick): तृणवेष्टिता रज्जुः Spr. 1957. — 3) einschließen, auf einen engen Kreis beschränken: गोपाल इव दण्डेन यथा पशुगणान्वने । अवेष्टयत तां सेनां भगदत्तस्तथा मुकुः ॥ MBH. 7, 1189. schliessen (die Hand): अवेष्टितकर् 13, 764. — 4) अवेष्टयति TBr. 1, 3, 6, 1 fehlerhaft für अवेष्टयति. — Vgl. अवेष्ट fgg.

— समा caus. belegen, bedecken SUÇA. 2, 109, 6.

— उद् sich in die Höhe winden: किन्ना भुजाः — उद्देष्टे विचेष्टे पतते चोत्पतति च MBH. 8, 2544. 7, 3168. 9, 429. — caus. loswinden, aufdrehen: तस्मिन् KATHĀS. 49, 21. उद्देष्टनीया वेणी MRGH. 89. eröffnen, aufsiegeln: लेखम् einen Brief MĀLAV. 70, 17. — Vgl. उद्देष्टन.

— उप caus. umwinden, umbinden: लतापवेष्टित (वृत्) MĀKĒH. 115, 13. पाशापवेष्टितगल KATHĀS. 25, 181.

— नि caus. 1) act. med. einfassen (in die Hand), zudeckend packen

AV. 10, 5, 36. 16, 8, 1. योनिम् KĀTH. 13, 4. 23, 4. रुस्तं TS. 6, 1, 2, 7. यथा प्रतीयातेनानिवेष्टयमानो धापयेत् CĀKṆH. Br. 18, 4. — 2) umwickeln, umwinden: लाङ्गुलेन निवेष्टिताः R. 6, 84, 26. सर्पनिवेष्टिताः VARĀH. BṛH. 27 (25), 36. wohl an beiden Stellen विवेष्टित zu lesen. — Vgl. निवेष्ट fgg.

— उपनि sich lagern um, umgeben: गर्भमाप उपनिवेष्टते CĀT. Br. 5, 3, 4, 11.

— निम् caus. 1) zurückstreifen: शेष इव निवेष्टितः entblößt Nir. 5, 8. — 2) abwickeln so v. a. abnehmen um (acc.): एकैकस्मिन्मण्डले मुहूर्तस्य द्वौ द्वाविकषष्टिभोगौ दिवसतेत्रस्य निवेष्टयन् (= कापयन्) Ind. St. 10, 265, N. 2. — Vgl. निवेष्टन.

— परि caus. 1) umhüllen, umwinden, umwickeln, umschlingen, umlegen, umstellen, umgeben, umringen, CĀT. Br. 5, 3, 5, 24. सूत्रैः CĀKṆH. Cn. 4, 15, 31. मुखम् 7, 15, 2. वसनेन LĀT. 2, 6, 1. दर्भेण KĀUÇ. 21. 38. 79. Nir. 9, 15. SUÇA. 2, 346, 2. पशैः फलदे परिवेष्टा तम् MBH. 12, 9119. रज्जुभिः Spr. 3342. कटैरापसैः (so ist zu lesen) RĀGĀ-TAR. 4, 268. भोगेन (सर्पस्य) MBH. 1, 1802. 3, 12403. तं परिवेष्टितवान्किः KATHĀS. 65, 122. भुजाभ्याम् 74, 52. प्रायेण भूमिपतयः प्रमदा लताश्च पत्पार्श्वतो भवति तत्परिवेष्टयति Spr. (II) 1066. वृत्तान् — लताभिः परिवेष्टितान् R. 3, 17, 13. 78, 22. VARĀH. BṛH. S. 95, 37. जम्बुद्वीपः तारोदधिना परिवेष्टितः BHĪG. P. 5, 20, 2. MĀK. P. 54, 7. प्राकारवलयपरिवेष्टित PĀṆĒAR. ed. OFN. 3, 9. HARIV. 9017. घ्रादित्यः परिवेष्टितः परिवेष्टितः 9297. ऊताशाचिः परिवेष्टिता (लङ्का) R. 5, 50, 20. शमोकोदरं वक्त्रिभोव्यद्वयैः परिवेष्टा PĀṆĒAR. 97, 25. तमश्चापकटकेन समत्तात्परिवेष्टितम् VP. bei MUIR, ST. 1, 195. सितार्धपरिवेष्टित (विद्युत्पुञ्ज) KATHĀS. 3, 28. अग्निं वस्त्रेण परिवेष्टयन् zudeckend MBH. 11, 40. धूमन परिवेष्टितम् eingehüllt in HARIV. 3635. भस्मना 15861. VARĀH. BṛH. S. 12, 12. शरैः सर्वतः परिवेष्टितः überschüttet HARIV. 10202. सिराभिः überzogen mit KATHĀS. 97, 22. पादपान्निविधैः खगैः परिवेष्टितान् besetzt mit BRAHMA-P. in LĀ. (III) 52, 8. पक्षाणि कण्टकशतैः परिवेष्टितानि Spr. 1690. अखिलनिगमनिगणपरिवेष्टित umgeben von BHĪG. P. 5, 1, 7. CĀKṆH. zu BṛH. ĀR. UP. S. 102. गोत्रज्ञाः । पञ्चषा गृहमागत्य राजानं पर्यवेष्टयन् KATHĀS. 58, 4. Verz. d. Oxf. H. 28, b, 16. शत्रुभिः परिवेष्टितः Spr. 2286. KĀM. NĪTIS. 13, 73. 19, 55. RĀGĀ-TAR. 5, 430. KATHĀS. 106, 151. स्थानं तत्पर्यवेष्टयत् 69, 64. 116, 1. PĀṆĒAR. 172, 13. परिवेष्टित = वलपित u. s. w. H. 1474. — 2) umwinden, umlegen: अग्निष्ठे रशनाः KĀTH. Cn. 8, 8, 16. शाटी परितः कव्यौ R. 2, 32, 86. — 3) zusammenschrumpfen machen: य इमा पृथिवी कृत्स्ना चर्मवत्परिवेष्टयेत् (समवेष्टयत् ed. Bomb.) MBH. 7, 368. 2209. 12, 4078. — Vgl. परिवेष्टन, परिवेष्टना (in den Nachträgen), परिवेष्टितर.

— संपरि, caus. partic. ०वेष्टित umwunden SUÇA. 2, 440, 21.

— प्र caus. umwinden TS. 6, 6, 4, 3. प्रवेष्टितो रोमभिः besetzt —, bedeckt mit MBH. 3, 10047.

— संप्र caus. umwinden SUÇA. 2, 341, 14. Schol. zu KĀTH. Cn. 6, 3, 16.

— प्रति sich zurückschieben: अङ्गारा एव प्रतिवेष्टयमाना अग्नित्राणामस्य सेनां प्रतिवेष्टयति TS. 3, 4, 8, 4. — caus. zurückschieben —, streichen, — biegen TS. a. a. Ö. die Zungenspitze VS. Prāt. 1, 78. AV. Prāt. 1, 22. TAITT. Prāt. 2, 37.

— वि caus. 1) wegstreichen, abziehen: लचम् AV. 12, 5, 68. — 2) umwinden: सर्पभोगैर्विवेष्टितः HARIV. 10200 (beide Ausgg. विवेष्टितः). ना-